



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 393]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 6, 2016/ज्येष्ठ 16, 1938

No. 393]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 6, 2016/JYAISTHA 16, 1938

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2016

सं. 32/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 575(अ).—केन्द्र सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस बात से संतुष्ट होते हुए कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में संख्या सा.का.नि. 467(अ), दिनांक 20 जून, 2012 द्वारा प्रकाशित, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 25/2012-सेवाकर, दिनांक 20 जून, 2012 में एतद्वारा और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

1. उक्त अधिसूचना में, पहले पैराग्राफ में, प्रविष्टि (6) में खण्ड (ग) के स्थान पर निम्नलिखित उपवाक्य प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(ग) ऐसा कोई वरिष्ठ अधिवक्ता जो कि:-

(i) किसी व्यक्ति जो कि किसी व्यापारिक निकाय से पृथक हो; या

(ii) किसी व्यापारिक निकाय को, जिसका पूर्व के वित्तीय वर्ष में कारोबार, 10 लाख रुपये तक का हो,

को विधिक सेवाओं के माध्यम से;”

[फा. सं. बी-1/7/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट: प्रधान अधिसूचना सा.का. नि. संख्या 467(अ), दिनांक 20 जून, 2012 के तहत अधिसूचना सं. 25/2012-सेवा कर दिनांक 20 जून, 2012 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गयी थी और सा.का.नि. संख्या 538(अ), दिनांक 20 मई, 2016 द्वारा अधिसूचना सं. 26/2016-सेवा कर, दिनांक 20 मई, 2016 के अन्तर्गत अंतिम बार संशोधित की गयी थी।

MINISTRY OF FINANCE**(Department of Revenue)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 6th June, 2016

No. 32/2016-Service Tax

G.S.R. 575(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 25/2012-Service Tax, dated the 20th June, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 467(E), dated the 20th June, 2012, namely:-

1. In the said notification, in the first paragraph, in entry 6, for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:-

“(c) a senior advocate by way of legal services to-

(i) any person other than a business entity; or

(ii) a business entity with a turnover up to rupees ten lakh in the preceding financial year;”.

[F. No. B-1/7/2016-TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note : The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification No. 25/2012-Service Tax, dated the 20th June, 2012, *vide* number G.S.R. 467(E), dated the 20th June, 2012 and last amended *vide* notification number 26/2016-Service Tax, dated the 20th May, 2016 *vide* number G.S.R. 538, dated the 20th May, 2016.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2016

सं. 33/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 576(ब).—केन्द्र सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा, सेवाकर नियमावली 1994 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:-

उक्त अधिसूचना में,-

1. इन नियमों का नाम सेवाकर (चतुर्थ संशोधन) नियमावली, 2016 है।

2. सेवाकर नियमावली, 1994 में, नियम 2 में, उपनियम (1) में, खण्ड (घ) में उपखण्ड (i) में,

(क) मद (घ) में, उपमद (II) के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

“(ii) वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा दी जाने वाली प्रतिनिधि सेवाओं से भिन्न विधिक सेवाओं के माध्यम से कोई व्यक्ति अधिवक्ता अथवा अधिवक्ताओं की फर्म”

(ख) मद (घ) के पश्चात् निम्नलिखित मद, को अंतःस्थापित किया जाएगा; अर्थात् :-

“(घघ) किसी वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा, किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण या प्राधिकरण में, किसी व्यापारिक निकाय जोकि करादेय भूक्षेत्र में अवस्थित हो, जिसमें कि वह स्थान भी शामिल है जहां किसी अन्य अधिवक्ता या अधिवक्ताओं की फर्म के माध्यम से ऐसी सेवाओं के प्रावधान के लिए अनुबंध किया गया है और वरिष्ठ अधिवक्ता इस प्रकार की सेवाएं प्रदान कर रहा हो, प्रतिनिधि सेवाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रदान की गई सेवा अथवा प्रदान करने के लिए सहमति व्यक्त की गई सेवा जिसका प्राप्तकर्ता, जो कि कारोबारी संस्था है तथा जो कि वादकर्ता, आवेदक अथवा याचिकाकर्ता, जैसा भी मामला हो, के संबंध में।”

[फा. सं. बी-1/7/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट : प्रधान नियम सा.का.नि. सं. 546(अ), दिनांक 28 जून, 1994 के अन्तर्गत अधिसूचना सं. 2/94-सेवा कर, दिनांक 28 जून, 1994 के तहत भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित किए गए थे तथा इनमें सा.का.नि. सं. 554(अ), दिनांक 2016 के अंतर्गत अधिसूचना सं. 31/2016, सेवा कर, दिनांक 26 मई, 2016 के तहत अंतिम बार संशोधन किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 2016

No. 33/2016-Service Tax

G.S.R. 576(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, namely:-

1. These rules may be called the Service Tax (Fourth Amendment) Rules, 2016.

2. In the Service Tax Rules, 1994, in rule 2, in sub-rule (1), in clause (d), in sub-clause (i),-

(a) in item (D), for sub-item (II), the following sub-item shall be substituted, namely:-

“(II) an individual advocate or a firm of advocates by way of legal services other than representational services by senior advocates;”

(b) after item (D), the following item shall be inserted, namely:-

“(DD) in relation to service provided or agreed to be provided by a senior advocate by way of representational services before any court, tribunal or authority, directly or indirectly, to any business entity located in the taxable territory, including where contract for provision of such service has been entered through another advocate or a firm of advocates, and the senior advocate is providing such services, the recipient of such services, which is the business entity who is litigant, applicant, or petitioner, as the case may be”.

[F. No. B-1/7/2016-TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note : The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) by notification No. 2/94-Service Tax, dated the 28th June, 1994 *vide* number G.S.R. 546(E), dated the 28th June, 1994 and last amended *vide* notification No. 31/2016-Service Tax, dated the 26th May, 2016 *vide* number G.S.R. 554(E), dated the 26th May, 2016.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 2016

सं. 34/2016-सेवा कर

सा.का.नि. 577(अ).—केन्द्र सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 68 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खंड-3, उप-खंड (i) में सा.का.नि. संख्या 472(अ), दिनांक 20 जून, 2012 द्वारा प्रकाशित, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 30/2012-सेवाकर, दिनांक 20 जून, 2012 में एतद्वारा और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:-

उक्त अधिसूचना में,-

(क) पैराग्राफ I में, उपखण्ड (क) में,

(i) उपखण्ड (iv) में, मद (ख) के स्थान पर निम्नलिखित मद को प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(ख) किसी व्यक्तिगत अधिवक्ता या अधिवक्ताओं की फर्म द्वारा विधिक सेवाओं के माध्यम से जो कि वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा दी जाने वाले प्रतिनिधि सेवाओं से पृथक् हो; या”

(ii) उपवाक्य (ivक) के बाद, निम्नलिखित उपवाक्य को अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(ivक) किसी वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा, किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण या प्राधिकरण में, किसी व्यापारिक निकाय जोकि करादेय भूक्षेत्र में अवस्थित हो, जिसमें कि वह स्थान भी शामिल है जहां किसी अन्य अधिवक्ता या अधिवक्ताओं की फर्म के माध्यम से ऐसी सेवाओं के प्रावधान के लिए अनुबंध किया गया है और वरिष्ठ अधिवक्ता इस प्रकार की सेवाएं प्रदान कर रहा हो, प्रतिनिधि सेवाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रदान की गई सेवा अथवा प्रदान करने के लिए सहमति व्यक्त की गई सेवा जिसका प्राप्तकर्ता, जो कि कारोबारी संस्था है तथा जो कि वादकर्ता, आवेदक अथवा याचिकाकर्ता, जैसा भी मामला हो।”

(ivख) कंपनी के निदेशक अथवा उक्त कंपनी के बॉडी कारपोरेट अथवा बॉडी कारपोरेट द्वारा प्रदान की गई अथवा प्रदान किए जाने के लिए सहमति व्यक्त की गई;”

(ख) पैराग्राफ (II) में,

(i) सारणी में, क्रम संख्या 5 के समक्ष कालम (2) में दी गई प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा :-

“किसी व्यक्ति अधिवक्ता या अधिवक्ताओं की फर्म द्वारा विधिक सेवाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से प्रदान की गई सेवाओं अथवा प्रदान किए जाने के लिए सहमति व्यक्त की गई सेवाओं के संबंध में।”

(ii) स्पष्टीकरण II के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा,

“स्पष्टीकरण III – करादेय भू-क्षेत्र में अवस्थित कारोबारी संगठन जो कि वादकर्ता, आवेदक अथवा याचिकाकर्ता जैसा भी मामला हो, है, को वह व्यक्ति माना जाएगा जो कि इस अधिसूचना के आशय से विधिक सेवाएं प्रदान करता है।”

[फा. सं. बी-1/7/2016-टीआरयू]

अनुराग सहगल, अवर सचिव

नोट : प्रधान अधिसूचना सा.का. नि. संख्या 472(अ), दिनांक 20 जून, 2012 के तहत अधिसूचना सं. 30/2012-सेवा कर दिनांक 20 जून, 2012 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, असाधारण, में प्रकाशित की गई थी और इसमें सा.का.नि. संख्या 266(अ), दिनांक 1 मार्च, 2016 द्वारा अधिसूचना सं. 18/2016-सेवा कर दिनांक 1 मार्च, 2016 के अन्तर्गत अंतिम बार संशोधन किया गया था।

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 2016

No. 34/2016-Service Tax

G.S.R. 577(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 68 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 30/2012-Service Tax, dated the 20th June, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* number G.S.R. 472(E), dated the 20th June, 2012, namely:-

1. In the said notification,-

(a) in paragraph I, in clause (A),-

(i) in sub-clause (iv), for item (B), the following item shall be substituted, namely:-

“(B) an individual advocate or a firm of advocates by way of legal services other than representational services by senior advocates, or”;

(ii) for sub-clause (iva), the following sub-clauses shall be substituted, namely:-

“(iva) provided or agreed to be provided by a senior advocate by way of representational services before any court, tribunal or authority, directly or indirectly, to any business entity located in the taxable territory, including where contract for provision of such service has been entered through another advocate or a firm of advocates, and the senior advocate is providing such services, to such business entity who is litigant, applicant, or petitioner, as the case may be”;

(ivb) provided or agreed to be provided by a director of a company or a body corporate to the said company or the body corporate;”

(b) in paragraph (II):—

(i) in the TABLE, against Sl. No. 5, for the entry under column (2), the following entry shall be substituted, namely:—

“in respect of services provided or agreed to be provided by an individual advocate or firm of advocates by way of legal services, directly or indirectly”;

(ii) after *Explanation II*, the following shall be inserted, namely:—

“*Explanation III.*—The business entity located in the taxable territory who is litigant, applicant or petitioner, as the case may be, shall be treated as the person who receives the legal services for the purpose of this notification.”.

[F. No. B-1/7/2016-TRU]

ANURAG SEHGAL, Under Secy.

Note : The principal notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, vide notification No. 30/2012-Service Tax, dated the 20th June, 2012, *vide* number G.S.R. 472(E), dated the 20th June, 2012 and last amended *vide* notification No. 18/2016-Service Tax, dated the 1st March, 2016 *vide* number G.S.R. 266, dated the 1st March, 2016.